श्री श्रीयादे माता की आरती

ओ३म जय श्री यादे माता ओ३म जय श्री यादे माता !
जो थारा गुण गावे, वो इच्छा फल पाता ! ओ३म ....
हिरण्याक्ष की मृत्यु सुन, क्रोध हिरण्यक आता !
मंदराचल पर्वत पर, ब्रह्मा की भक्ति पाता !!1!! ओ३म ....
ब्रह्मा से वचन पाया, नर हरि रूप आता !
पुजा-पाठ धर्म कर्म यज्ञ-हवन बन्द चाल्ता !! 2!! ओ३म....
घबरायोडा देव गण,कैलाश पर्वत जाता !
अधर्म के नाश तांई प्रह्लाद घर आता !!3!! ओ३म ....
ऐसो माहोल करियो, नही प्रह्लाद ज्ञाता !
शिव उडन केशर बने, उमा श्रीयादे पाता !!4!! ओ३म....
शरद पूर्णिमा के दिन, अंभार नगर आता !
शिव उडन केशर बने, उमा श्रीयादे पाता !!5!! ओ३म....
माटी के बर्तन बनावे, गुण हरि के गाता !
काच्ची मटकी मांई, आ बिल्ली जन्म जाता !!6!! ओ३म ....
भूल से काच्ची मटकी, अब न्यावडा पता !
न्यावडो आधो पकियो, बिल्ली चिल्लाती आता !!7!! ओ३म ....
हरि नाम रखवा देख, जोर प्रह्लाद जमाता !
प्रजापत कुम्हार समाज कहे , श्रीयादे-कृपा बिल्ली किलोल पाता!!
ओ३म जय श्री यादे माता ओ३म जय श्री यादे माता !
जो थारा गुण गावे, वो इच्छा फल पाता ! ओ३म ....